आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

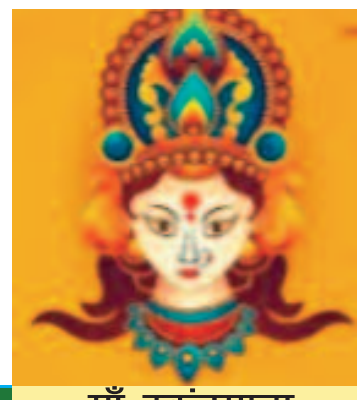

माँ स्कंदमाता
पाँचवा नवरात्री

बर्ष :12 अंक :280 पृष्ठ -4 दिनांक 07अक्टूबर 2024 दिन सोमवार

यूपी में भड़काऊ भाषण देने वालों की खैर नहीं, DGP प्रशांत कुमार

डीजीपी ने कलेक्टर के सहयोग से सभी महत्वपूर्ण लोगों से बातचीत कर माहौल सही रखने की दिए निर्देश

उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने मातहतों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक की. डीजीपी में माहौल बिगाड़ने वालों भड़काऊ भाषण देने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. डीजीपी ने वीसी के माध्यम से मातहतों को ऐसी जगहों को चिन्हित करने का आद. `श दिया जहां पिछले वर्षों में लूट, चोरी और अन्य बड़े अपराध हुए हैं. डीजीपी ने मातहतों से आगामी त्योहारों को देखते हुए कलेक्टर के सहयोग से सभी धर्मगुरुओं , सामा. जिक संगठनों, व्यवसायिक संगठनों, औद्योगिक और मेडिकल एसोसिएशन जैसे महत्वपूर्ण लोगों से बातचीत कर माहौल सही रखने की निर्देश दिए हैं. उन्होंने सभी कमिश्नरेट और सभी जिलों में होने वाले छोटे – बड़े धार्मिक आयोजनों में आने वाली भीड़ का आकलन करने के साथ ही उन जगहों पर सही संख्या में महिला और पुरुष पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाए जाने के भी निर्देश दिए हैं.मिशन शक्ति अभियान पर भी दिए निर्देश नवरात्रि में शुरू होने वाले मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण को लेकर के भी डीजीपी ने मातहतों से बातचीत की. उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए थानों में महिला बीट प्रणाली को और मजबूत किया जाए, साथ ही महिला सिपाहियों की क्षमताओं का बेहतर प्रयोग किया जाए. उन्होंने अधिकारियों से भी कहा कि अधिकारी समय से कार्यालय पहुंचकर जनता की शिकायतों की प्राथमिकता पर सुनवाई करें. साथ ही जनप्रतिनिधियों के द्वारा मिलने वाली शिकायतें प्राथमिकता पर सुनी जाए और जन प्रतिनिधियों से लगातार संवाद बनाए रखा जाए. डीजीपी ने कहा कि त्योहारों के मद्देनजर रामलीला, दुर्गा प्रतिमा पंडालों, विसर्जन के स्थानो, जुलूस से जुड़े स्थानों को तथा रावण पुतला दहन के जो स्थान है उनको लेकर जगह चिन्हित की जाए, वहीं जिन जगहों पर विवाद है उसका तत्काल निस्तारण कराया जाए. इन जगहों पर वरिष्ठ अधिकारी भ्रमण भी करें.

मायावती पॉलिटेक्निक कॉलेज के हॉस्टल में लौटने लगीं लड़कियां

प्रशासन बोला अफवाह की वजह से फैला डर

ग्रेटर नोएडा के कुमारी मायावती गवर्नमेंट गर्ल्स पॉलिटेक्निक कॉलेज में 172 लड़कियों के हॉस्टल छोड़ने की घटना काफी विवादों में रही थी, जिसके बाद कॉलेज प्रशासन की ओर से सख्त कदम उठाए गए हैं. इसके तहत जहां कैंपस में लाइटिंग की बेहतर व्यवस्था की गई है तो वहीं परिसर के चारों ओर दीवारों फेंसिंग कर दी गई है. इसके साथ ही झाड़ियों को हटा दिया गया है. कॉलेज के प्रिंसिपल का कहना है कि इस मामले में जबरदस्ती डर फैलाया गया था. पिछले दिनों बादलपुर में स्थित मायावती पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियों ने रात में अनजान लोगों द्वारा उनके दरवाजे खटखटाने और कमरे में झांकने की कोशिश करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद डर की वजह से हॉस्टल में रहने वाली 187 में से 172 लड़कियां वापस घर लौट गईं थी. इस मामले को लेकर काफी बवाल भी देखने को मिला था. कॉलेज प्रशासन ने उठाया कदम इस पूरे मामले पर एबीपी न्यूज ने कॉलेज के प्रिंसिपल श्याम नारायण सिंह से बात की उन्होंने इस घटना को उकसावे और जबरदस्ती डर फैलाने वाला बताया. उन्होंने कहा कि लड़कियों के डर को दूर करने के लिए प्रशासन ने कैंपस में लगी झाड़ियों को हटवा दिया है. सीसीटीवी कैमरे और पोल लाइट की संख्या बढ़ा दी है. आगे भी लड़कियों के डर को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा. उन्होंने कहा कि कॉलेज द्वारा उठाए गए कदमों के बाद 172 में से 40 से 50 लड़कियां वापस भी लौट आईं हैं और वो खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं. इस बारे में जब लड़कियों से बात की गई ओर फर्स्ट ईयर की छात्रा ने बताया कि हमें जबरदस्ती डराया गया था. जिसके चलते वो घर चले गए. कुछ लड़कियां लगातार कह रही थी कि कोई 1 हफ्ते से दरवाजा खटखटा रहा है. ड्रोन उड़ रहे हैं. कुछ लड़कियों ने कहा कि ये संभव नहीं है कि कोई हॉस्टल की दीवार फांदकर आ जाए. अगर कोई आ जाएगा तो वापस नहीं जा पाएगा. उन्होंने कहा कि कैंपस में लाइटिंग, फेंसिंग और सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद वो सुरक्षित महसूस कर रही हैं. कॉलेज प्रिंसिपल ने कहा कि इस घटना को लेकर बताया कि जिस दिन घटना हुई उस दिन गार्ड नहीं थे और 187 में से सिर्फ 6 ही बच्चे हॉस्टल में बचे थे. पूरी घटना सिर्फ उकसावे की वजह से हुई. उस दिन बच्चे बात ही नहीं सुन रहे थे. बच्चों के डर को खत्म करने की पूरी कोशिश की गयी है अब बच्चे खुद वापस हॉस्टल आ रहे हैं और कुछ त्योहार बाद वापस आ जाएंगे. हालांकि इन तमाम बा. तों के बीच सवाल ये भी उठ रहे हैं कि अगर समय रहते छात्राओं के डर को दूर कर दिया जाता तो ये हालात ही नहीं बनते.

यूपी में कब होंगे उपचुनाव? इलेक्शन कमीशन जल्द कर सकता है तारीखों का ऐलान

चुनाव आयोग जल्द ही उत्तर प्रदेश की दस सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है. हरियाणा और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हो चुकी है. 8 अक्टूबर को इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे. जिसके बाद आयोग यूपी उपचुनाव की तारीखों की भी घोषणा की जा सकता है. यूपी की जिन दस सीटों पर उपचुनाव होना है उनमें से 9 सीटें विधायकों के सांसद बन जाने के बाद खाली हुई हैं जबकि एक सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा मिलने के बाद रिक्त हुई है. नियम के मुताबिक चुनाव आयोग के छह महीने के भीतर रिक्त हुई सीटों पर उपचुनाव कराने होते हैं. ये सभी सीटें जून में लो. कसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद रिक्त हुई हैं, ऐसे में उम्मीद है कि यूपी में नवंबर में उपचुनाव हो सकते हैं. जल्द होगा उपचुनाव की तारीखों का ऐलानमुख्य चुनाव आयुक्त इस संदर्भ में पहले ही कह चुके हैं जिन जगहों पर जहां उपचुनाव होने हैं वहाँ फिलहाल खराब मौसम की वजह से उपचुनाव नहीं कराए जा रहे हैं. हालांकि मौसम में सुधार होते हैं निर्धारित समय सीमा के भीतर उपचुनाव करा दिए जाएंगे. चुनाव आयोग ने भले ही अभी तक उपचुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं किया है बा. वजूद इसके प्रदेश की सियासत में जबरदस्त सरगर्मियां बढ़ी हुई है. बीजेपी और समाजवादी पार्टी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है तो वहीं बहुजन समाज पार्टी और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी भी सभी दस सीटों पर उपचुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. सीएम योगी खुद उपचुनाव वाली सभी सीटों का दौरा तक कर चुके हैं. इन सीटों पर होना है उपचुनाव दबता दें कि उत्तर प्रदेश की दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, जिसमें करहल, मिल्कीपुर, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरापुर सीट शामिल है. इनमें से पांच सीटों पर सपा का कब्जा था जबकि तीन सीटों पर बीजेपी और एक–एक सीट रालोद और निषाद पार्टी के खाते में थी.

नवरात्रि के मौके पर पीएम मोदी ने लिखा मां दुर्गा को समर्पित गरबा गीत, सोशल मीडिया पर किया साझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर देवी दुर्गा को श्रद्धांजलि के रूप में लिखा अपना श्गरबाश् गीत साझा किया है। वहीं उन्होंने इस गरबा गीत गाने और इसे मधुर प्रस्तुति देने के लिए गायक पूर्वा मंत्री को धन्यवाद दिया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर देवी दुर्गा को श्रद्धांजलि के रूप में लिखा अपना श्गरबाश् गीत साझा किया। पीएम मोदी ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर लिखा, यह नवरात्रि का पावन समय है और लोग अलग–अलग तरीकों से उत्सव मना रहे हैं, जो मां दुर्गा की भक्ति से

जुड़े हैं। श्रद्धा और आनंद की इस भावना में, यहां आवती कलाय है, एक गरबा जो मैंने उनकी शक्ति और कृपा को श्रद्धांजलि के रूप में लिखा है। उनका आशीर्वाद हमेशा हम पर बना रह. `।पीएम मोदी ने गायक पूर्वा मंत्री को दिया धन्यवाद वहीं पीएम मोदी ने इस गरबा गीत को गाने और उसे मधुर प्रस्. तुति देने के लिए गायक पूर्वा मंत्री को धन्यवाद दिया, जिनकी उन्होंने एक प्रतिभाशाली उभरते गायक के रूप में प्रशंसा की।

उत्तर प्रदेश में अगले चार दिन बारिश के आसार मौसम विभाग ने बारिश का पूर्वानुमान किया जारी

मौसम विज्ञान विभाग ने लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, हापुड़ समेत प्रदेश के 46 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया। अब पूरे क्षेत्र में मौसम में तेजी से बदलाव के आसार हैं।वैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश से मानसून अब धीरे–धीरे विदा हो चुका है। मौसम विज्ञान विभाग ने आगामी चार दिन तक गरज चमक के साथ कहीं हल्की व कहीं भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। लखनऊ, वाराणसी, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, बदायूं, कासगंज, एटा, पीलीभीत, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर,

अंबेडकर नगर, बस्ती, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, संभल, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, गौतम बुध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, पुरठ, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अम. रोहा, संभल, सिद्धार्थ नगर, संतक. बीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया, मऊ, देवरिया तथा आ. सपास के इलाकों में बारिश के आसार हैं।

दुनिया को नजीर पेश करता वाराणसी, मगरिब की नमाज संग गुंजती है मानस की चौपाई

वाराणसी दुनिया को धर्म की परिभाषा समझने के लिए वाराणसी की धरती से बेहतर कोई दूसरा जगह नहीं मिल सकता. यह कथन तो आज के दौर में शत प्रतिशत प्रमाणित हो जाता है क्योंकि इस शहर ने अपनी विरासत गंगा जमुनी तहजीब को समय बदलने के साथ भी बेहद खूबसूरती से संजोए रखा है. देशभर में रामलीला आयोजन का दौर चल रहा है. इसी क्रम में वाराणसी के लाट भैरव में आयोजित होने वाली रामलीला भी मजहबी एकता का संदेश दे रही है. इसकी वजह है कि जहां एक ही स्थल पर रामलीला आयोजन के तहत रामचरितमानस के चौपाई की गूंज सुनाई दे रही है, साथ ही उसी स्थल पर मगरिब की नमाज भी अदा की जा रही है. सबसे प्रमुख बात की सैकड़ों वर्षों से स्थानीय लोग इस खूबसूरत तस्वीर के साक्षी बनते चले आ रहे हैं. दुनिया के सबसे प्राचीन शहर वाराणसी में सभी धर्म की संस्कृति और विरासत देखने को मिलती है. वर्तमान समय में देशभर में नवरात्रि और रामलीला आयोजन की धूम है. इसी क्रम में वाराणसी के लाट भैरव में एक साथ आयोजित होने वाली मगरिब की नमाज और रामलीला देश के साथ–साथ पूरी दुनिया को अमन शांति का पैगाम दे रहा है. खासतौर पर धार्मिक विषयों को लेकर चल रहे संघर्षों वाले देश के लिए तो काशी एक नजीर पेश कर रही है. लाट भैरव क्षेत्र स्थित चबूतरे के पूर्वी दिशा में रामलीला का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न पात्र द्वारा प्रभु राम के जीवन से जुड़ी अलग–अलग लीलाओं को निभाया जा रहा था. वहीं चबूतरे के पश्चिमी ओर नमाजी अल्लाह को याद करते हुए नमाज अदा कर रहे थे. एक तरफ मंगल भवन अमंगल हारी की धुन तो वहीं दूसरी तरफ अजान की गुंज मानो यही संदेश दे रही हो कि कोई भी परंपरा मजहबी दीवार को नहीं मानती. स्थानीय लोगों का मानना है कि सैकड़ों वर्षों से इसी स्थल पर एक साथ रामलीला और नमाज अदा की जाती है.हर वर्ष काशी के लाट भैरव स्थित क्षेत्र में यह तस्वीर देखने को मिलती है और सबसे खास बात की नमाज अदा करने के बाद दर्जनों की संख्या में छोटे बच्चे बुजुर्ग उत्सुकता के साथ रामलीला भी देखते हैं. रामचरितमानस की चौपाई और अजान की गुंज जब एक ही स्थल से सुनाई देती है तो वहां से गुजरने वाले लोग भी एक समय के लिए ठहर जाते हैं. आज के दौर में धार्मिक विषयों पर अनावश्यक टिप्पणी करने वाले राजनेता और धर्मगुरुओं को भी बनारस की यह तस्वीर आइना दिखा रही है.

औरैया में नाबालिग से रेप के आरोपी ने पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल

औरैया के सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में मासूम के साथ एक युवक ने रेप की वारदात को अंजाम दिया

उत्तर प्रदेश के औरैया में बीते दिनों 6 साल की मासूम बच्ची से एक युवक ने रेप की वारदात को अंजाम दिया था. इस मामले में आरोपी युवक और पुलिस एसओजी की टीम से आज सोमवार (7 अक्टूबर) को मुठभेड़ हो गई. मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया. पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है. इस मुठभेड़ की सूचना मिलते ही जिला पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंच गए. क्या है पूरा मामला? बीते दो दिन पहले औरैया सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मासूम बच्ची से आरोपी ने रेप किया था. घटना के बाद पीड़ित बच्ची के पिता उसे लेकर औरैया कोतवाली पहुंच कर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. पीड़ित पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि उनकी बेटी के साथ गांव के रहने वाले एक युवक ने रेप किया.मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित बच्ची को मेडिकल के लिए भेज दिया. औरैया कोतवाली पुलिस ने इस घटना की जानकारी उच्च अधिकारियो को दी. औरैया एसपी ने आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस टीम का गठन कर जांच शुरू कर दी. मुखबिर की सूचना पर शिनाख्तपुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की. इस दौरान मुखबिर की सूचना आरोपी युवक की पहचान होते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. आरोपी की पहचान मंटूक कुमार के रुप में हुई है. पुलिस पूछ. ताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया. आरोपी मंटूक कुमार ने वारदात के दिन पहने हुए कपड़ों को कर्म. पुर के पास स्थित एक जंगल में छिपा दिया था. जिस की बरामदगी के लिए पुलिस उसे मौके पर ले गई. मौके पर आरोपी ने कपड़ों के नीचे असलहा छिपाया था, यहां उसने भागने की नियत से पुलिस पर फायरिंग कर दी.अचानक शुरू हुई फायरिंग के बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैरों में गोली लग गई और वह घायल हो गया. जिसे इलाज के लिए तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने क्या कहा?इस घटना की जानकारी देते हुए एसपी अभिजीत आर शंकर ने बताया कि दो दिन पहले कोतवाली में एक मामला दर्ज किया गया था, जहां 6 साल की मासूम से रेप की वारदात को अंजाम दिया था. उन्होंने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई थीं. कड़ी छानबीन के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. औरैया एसपी अभिजीत आर शंकर ने बताया कि आज जब आरोपी को घटना स्थल पर ले जाया गया, तो वहां पर आरोपी ने पहले से ही कपड़ों के नीचे असलहा छिपाकर रखा था. उन्होंने बताया कि मौके पर आरोपी ने भागने की कोशिश करते हुए पुलिस पर फायरिंग की.आरोपी की हालात स्थिरएसपी अभिजीत आर शंकर ने बताया कि आरोपी के फायरिंग करने पर पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की. जिससे आरोपी के पैरों में गोली लग गई और घायल हो गया. उन्होंने बताया कि आरोपी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है.

कांग्रेस का वो अध्यक्ष जिसकी कब्र जेरूसलम में, अपनी ही पार्टी ने कर दिया था विरोध

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस है. स्वतंत्रता आंदोलन हो या देश को आजादी मिलने के बाद आज तक, सियासत और सड़क के हर समय हर पहर की जब भी चर्चा होगी तब तब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जिक्र होगा. और जब पार्टी का जिक्र होगा तो चर्चा इस बात की भी होगी कि उसका अध्यक्ष कौन था? कांग्रेस खुद को आजादी के आंदोलन के वक्त का अगुवा बताती है. ऐसे में उसके उन अध्यक्षों के बारे में भी जानना चाहिए जो आजादी के आंदोलन की शुरुआत से लेकर आगे तक रहे. आजादी से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्षों को लेकर कई मौकों पर बड़े विवाद हुए तो कभी उनके फैसलों को जनता और समाज से शाबाशी मिली.1885 से 1923 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्षों के नेतृत्व में एक राजनीतिक आंदोलन की नींव पड़ी, जिसने भारत को स्वतंत्रता के मार्ग पर अग्रसर किया. यह समयकाल कांग्रेस के भीतर विभिन्न विचारधाराओं के टकराव और सामंजस्य का था, जिसने अंततः इसे एक शक्तिशाली संगठन बना दिया. प्रत्येक अध्यक्ष ने अपने दृष्टिकोण और विचारधारा से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान दिया.इतना सब होने के बाद भी अक्सर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्षों के बारे में कोई ऐसी जानकारी सामने नहीं आती तो जो उनकी सियासत के दूसरे पहलू को उजागर करे यानी उनके सियासत के जीवन का वह हिस्सा जो आम लोगों के सामने आने के बजाय कुछ खास लोगों या किताबों तक ही सिमट कर रह जाए. भारत में अमूमन अलग–अलग पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्षों पर छपी किताब को चापलूसी मान लिया जाता है. पाठक भी यह मानकर पढ़ता है कि इसमें वही सब पढ़ने को मिलेगा जो अखबार की कतरनों में उसने देखा था. हालांकि एक ऐसी किताब अभी हमारे बीचहै जो 38 सालों के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलग–अलग अध्यक्षों की भूमिका का परिक्षण करते हुए उनके फैसलों को समय की अदालत के कटघरे में खड़ा करती है. विष्णु शर्मा लिखित किताब– कांग्रेस प्रेसिडेंट्स फाइल्स (1885–1923) में कांग्रेस के संस्थापक एयो ह्यूम से लेकर लाला लाजपत राय तक के बारे में बात की गई है.मोहम्मद अली जौहर की कब्र येरुशलम विष्णु शर्मा द्वारा लिखित ये पुस्तक के जरिए कांग्रेस के अध्यक्षों की सियासी जिन्दगी के दूसरे पक्ष को भी जनता के सामने रखने की कोशिश की गई है. उदाहरण के लिए कांग्रेस के संस्थापक एओ ह्यूम को लेकर कहा जाता है कि उन्होंने बतौर प्रेशर ग्रुप इसकी स्थापना की. बाद में कुछ मौकों पर ब्रिटिश सरकार का विरोध किया लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि सन् 1857 की क्रांति का दमन करने में एओ ह्यूम की भी भूमिका थी.इस किताब में कांग्रेस के एक अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर की भी बात की गई है जिसमें दावा किया गया है कि कांग्रेसी खुद उनसे बहुत ज्यादा नाराज थे. पुस्तक में बताया गया है कि निधन के बाद उनको जेरूसलम में दफनाया गया. कांग्रेस के 41वें अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर अलीगढ़ मूवमेंट के सदस्य थे.पुस्तक में नवाब सैयह मोहम्मद बहादुर का जिक्र कर बताया गया है कि वह टीपू सुल्तान की नातिन के नाती थे. ऐसे कई मुद्दों पर कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्षों की राय और बयानों का जिक्र कर कई अहम दावे किए गए हैं.पुस्तक में दिए गए हैं रेफरेंस पुस्तक में अलग–अलग रेफरेंस और किताबों के जरिए कई चौंकाने वाले दावे किए गए हैं. हालांकि अगर आप कांग्रेस या कांग्रेस की नीतियों के समर्थक हैं तो यह पुस्तक आपको निराश ही करेगी. किताब के कवर पेज पर ही दावा किया गया है – तथ्यों का खजाना जो कांग्रेस के बारे में आपकी राय बदल देगा.इस पुस्तक को पढ़कर आपको ऐसा ही लगेगा कि जिन 38 सालों की इसमें बात की गई है उस दौरान कांग्रेस के अध्यक्षों का नाता केवल विवादों से रहा और वह कभी जमीन पर नहीं उतरे. किताब में उन मुद्दों पर कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्षों की राय या स्टैंड को प्रमुखता से रखा है जो आज के समय में भी प्रासंगिक हैं. उदाहरण के लिए आरक्षण, जादवपुर विश्वविद्यालय, अल्पसंख्यकों को आरक्षण, गो हत्या. यह वो मुद्दे हैं जिन पर आज भी राजनीतिक दल अपनी तलवार की धार तेज करते हैं.इन सबके बावजूद यह स्पष्ट है कि किताब बिना तथ्यों या रेफरेंस के नहीं लिखी गई है. किताब जिन तथ्यों के आधार पर लिखी गई है उसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा लिखित– श्सत्य के साथ मेरे प्रयोगश, प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा भी शामिल है. किताब में कुछ मौकों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंधित किताबों– डॉक्टर हेडगेवार चरित, द ै स्टोरी का भी रेफरेंस लिया गया है.इसके अलावा किताब में बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर द्वारा लिखित श्चंपेजंद वत जीम च्तजपजपवद वि प्दकपंश के हवाले से भी कुछ अहम दावे किए गए हैं. ऐसे में भले ही यह किताब किसी की वैचारिकी के स्तर पर उसे नि. राश करे लेकिन इतना तो तय है कि यह कोरी गप नहीं है.

बिहार के पूर्णिया में देर रात एनकाउंटर, मारा गया 50 हजार का इनामी डकैत बाबर

बिहार का मोस्ट वांटेड डकैत बाबर पूर्णिया में रविवार (06 अक्टूबर) की रात एनकाउंटर में मारा गया. रविवार की देर रात करीब दो बजे पूर्णिया के अमौर में पुलिस और एसटीएफ की टीम ने उसे मार गिराया. उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था. अमौर थाने से महज डेढ़ किलोमीटर दूर स्टेट हाईवे के पास धान के खेत में टीम ने बाबर को ढेर कर दिया.बताया जाता है कि बाबर लंबे समय से वांटेड लिस्ट में शामिल था. किशनगंज जिले के बाबर ने पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार सहित बंगाल में आतंक फैला रखा था. बाबर उर्फ आदिल उर्फ पापड़ पर बिहार और बंगाल के कई जिलों में आपराधिक मामले दर्ज थे. बाबर पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज के अलावा बंगाल और यूपी में करीब डेढ़ दर्जन से अधिक डकैती कांड को अंजाम दे चुका था. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और एसटीएफ ने की कार्रवा. ईजानकारी के अनुसार देर रात बाबर खेत में बैठ कर डकैती की योजना बना रहा था. पुलिस और एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली. इसके बाद घेराबंदी की गई और फिर पूर्णिया पुलिस और एसटीएफ के ज्वाइंट ऑपरेशन में ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर बाबर को मार गिराया गया. इधर देर रात सूचना मिलते ही पूर्णिया एसपी कार्तिकेय शर्मा भी खुद अमौर पहुंचे. शव को पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज भेजा गया.आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देंगे एसपी कार्तिकेय शर्माइस मामले में आज सोमवार को पूर्णिया के एसपी का. र्तिकेय शर्मा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देने वाले हैं. एसपी ने कहा है कि पुलिस पूरी घटना का खुलासा करेगी. बता दें कि इसके पहले इसी साल मई में एसटीएफ और मधेपुरा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 3 लाख रुपये का इनामी अपराधी प्रमोद यादव का एनकाउंटर किया गया था. मधेपुरा के प्रमोद यादव का लंबा आपराधिक इतिहास रहा था.

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार
पत्र जननायक सम्राट
के लिये जिला ब्यूरो ची
मण्डल ब्यूरो चीफ,ब्लॉक
ब्यूरो एंव संवाददाता की
आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा
सम्पादक करें
मो:8218049162,82734024
जननायक सम्रा
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक,प्रकाशक
आरती वर्मा द्वारा आशु
प्रिटिंगप्रेस,अचलताल,
अलीगढ़ से मुद्रित कराक
कार्यालय सरोज नगर ,ग
नम्बर 5, अलीगढ से
प्रकाशित
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनप
अलीगढ़ न्यायलय ही होगा।

हत्या और रेप का मुख्य आरोपी बना संजय रॉय, बंगाल रेप मर्डर मामले चार्जशीट दाखिल, 200 लोगों के बयान दर्ज

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या के मामले में संजय रॉय को हत्या और रेप का मुख्य आरोपी बनाया गया है. सीबीआई सूत्रों के मुताबिक मामले में करीब 200 लोगों के बयानों को चार्जशीट में दर्ज किया गया है. रेप और हत्या के इस मामले में बीते शनिवार (5 अक्टूबर) को जूनियर डॉक्टर्स आमरण अनशन पर बैठ गए थे. उनका कहना था कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार उनकी मांगे पूरी नहीं कर रही है, जिसके बाद उन्हें अब इस आमरण अनशन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है. मांगे पूरी न होने को लेकर धरने पर बैठे थे डॉक्टर जूनियर डॉक्टर ने धर्मतला में स्थित डोरीना क्रॉसिंग पर बीते शुक्रवार को बैठे थे. उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार को वादे के अनुसार अपनी मांगे पूरे करने के लिए 24 घंटे का वक्त दिया था. इसको लेकर एक कनिष्ठ चिकित्सक ने कहा कि राज्य सरकार ने उनकी दी हुई समय सीमा के भीतर मांगे पूरी नहीं की है. इसलिए हम अपनी मांगे पूरी करने के लिए अनशन शुरू कर रहे हैं और इसमें ट्रांसपेरेंसी हो इसको लेकर उस मंच पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए हैं, जहां पर उनके डॉ साथी अनशन करेंगे.पश्चिम बंगाल सरकार पर लग रहे आरोप इस पूरे मामले में मुख्य आरोपी संजय राय को गिरफ्तार कर लिया गया था. तो वहीं ममता बनर्जी सरकार इसमें बुरी तरह फंसते नजर आ रही है. भारतीय जनता पार्टी इसको लेकर ममता बनर्जी के ऊपर हमलावर हो रही है. इस केस के चलते पश्चिम बंगाल सरकार पर कई तरह के आरोप लग रहे हैं, जैसे मामले को हल्का करना और साक्ष्य छुपाने का भी आरोप है. आलम तो यह रहा कि इस मामले को लेकर कई

यह कैसा प्यार धोखा मिला, एसिड अटैक हुआ...अब रिपोर्ट कराने को दोनों ही नहीं तैयार

सेंटर प्वाइंट पर स्थित दीपक रेस्टोरेंट में बरला क्षेत्र की एक युवती और लोधा क्षेत्र का रहने वाला एक युवक पहुंचा था। इन्होंने यहां अभी ऑर्डर ही किया था कि किसी बात को लेकर दोनों में कहा. सुनी हो गई। युवती भड़क गई और युवक पर चीखने लगी। अचानक अपने पास मौजूद स्टील के गिलास में रखा तेजाब युवक की ओर फेंक दिया।दोनों के बीच पहचान काफी पुरानी है। खुद युवती ने पुलिस पूछताछ में यह कुबूल किया है। उसने कहा था कि युवक अब उसे धोखा देना लगा था। खुद शादीशुदा होने के बाद भी शादी का दबाव बनाता था। पैसे मांगता था। जब उसने बार बार कहने के बाद भी पीछा नहीं छोड़ा तो उस पर तेजाब फेंक दिया। लेकिन खास बात यह है कि इस घटना में न तो पीड़ित युवक की तरफ से पुलिस को कोई तहरीर दी गई और न ही युवती की तरफ से। युवक ने तो रेस्टोरेंट में खुद पर एसिड अटैक होने से ही इंकार कर दिया है। एसपी सिटी का कहना है कि पुलिस को किसी भी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है।घटना 5 अक्टूब दोपहर की है। सेंटर प्वाइंट पर स्थित दीपक रेस्टा. ंरेंट में बरला क्षेत्र की एक युवती और लोधा क्षेत्र का रहने वाला एक युवक पहुंचा था। इन्होंने यहां अभी ऑर्डर ही किया था कि किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। युवती भड़क गई और युवक पर चीखने लगी। अचानक अपने पास मौजूद स्टील के गिलास में रखा तेजाब युवक की ओर फेंक दिया। हमले में युवक का चेहरा, कंधे से लेकर सीने तक का हिस्सा व दोनों हाथ झुलस गए। शर्ट भी जल गई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता युवक बिना देर किए ही अपनी शर्ट वहीं उतारकर रेस्टोरेंट से तेजी से बाहर निकला। फिर बाहर खड़ी बुलट मोटरसाइकिल से भाग गया। युवती के बाएं हाथ के पंजे व गर्दन पर बाईं ओर तेजाब की कुछ छींट गिर गई जिससे वह भी मामूली रूप से झुलस गई। युवती यहां से सीधे सेंटर प्वाइंट पुलिस चौकी पहुंच गई। युवती ने खुद ही युवक पर परेशान होकर तेजाब फेंककर हमला करने की बात स्वीकार ली। उसने बताया कि युवक उसे पिछले 12 साल से परेशान कर रहा है। पुलिस ने रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने के साथ ही कर्मचारी व युवती से घटना की जानकारी ली। वहीं युवक सासनीगेट चौराहा के पास एक निजी नर्सिंग होम में उपचार करा रहा है। इसके बाद पुलिस वहां पहुंची और उसके बयान दर्ज किए। लेकिन युवक इस बात से मुकर गया कि उस पर रेस्टोरेंट में एसिड अटैक हुआ है। उसने जो पुलिस को बताया उसके मुताबिक वह नोएडा से आ रहा था और रास्ते में कुछ लोगों ने उस पर तेजाब फेंक दिया है। वहीं युवती भी इस संबंध में अब आगे कोई कार्रवाई नहीं चाहती है। जबकि बीते दिन उसने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि युवक उसे परेशान कर रहा है। पैसे की मांग करता आ रहा था।

लेकिन अब वह भी पुलिस को कुछ भी लिखित में देने को तैयार नहीं है।युवती को वन स्टॉप सेंटर में रखा गया अलीगढ़ पुलिस ने युवती को वन स्टॉप सेंटर में रखा है। बताया जाता है कि उसके परिवार वाले भी अभी तक मिलने के लिए नहीं पहुंचे हैं। हालांकि पुलिस द्वारा घर वालों को सूचना दी जा चुकी है।मतभेद के कारण हुई घटनाएसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि रेस्टोरेंट में युवती द्वारा युवक पर तेजाब फेंकने के मामले में अभी किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। युवक व युवती के बीच पहले से ही जान–पहचान है। माना जा रहा है कि दोनों के बीच पैदा हुए मतभेद के कारण यह घटना हुई है। इस संबंध में पुलिस गहनता से जांच कर रही है। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। इधर, युवती ने पुलिस को जो बयान दिया है, उसके अनुसार दोनों के प्रेम संबंध रहे हैं। उसकी दूसरी जगह शादी के बाद भी वह उसे परेशान करता रहा है। जिसकी वजह से युवती का तलाक तक हो गया है।

इसके बाद भी युवक अब उसे ब्लैकमेल कर रहा था। इसी बात से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। जबकि युवक ने खुद पर नोएडा से जेवर के पास आते में अज्ञात युवकों द्वारा तेजाब फेंकने की बात कही जा रही है।

युवक अपने बयान पर कायम है। अगर तहरीर नहीं मिलती है तो बीट आरक्षी या रे. स्टोरेंट संचालक से तहरीर ली जाएगी।

50 हजार लोगों की पीड़ा 20 कालोनियों के पास से अभी नहीं हटेगा कूड़े का पहाड़, सिस्टम की नाकामी सहनी पड़ेगी

अलीगढ़ नगर निगम के खुद अधिकारी भी यहां ज्यादा देर तक ठहर नहीं पाते। अब जरा सोचिए कि इस कूड़े के पहाड़ के आसपास बसीं कृष्णा धाम, पुष्प विहार, ब्रजधाम, गंगाधाम, लोधी विहार, लक्ष्मीनगर, शिव विहार, तुर्कमान गेट, एडीए कालोनी, सासनी गेट, भुजपुरा, कमेला रोड, बाबरी मंडी, जयगंज और पीपल वाली गली समेत करीब बीस इलाकों के लोग कैसे रहते होंगे। अलीगढ़ के मथुरा रोड पर बसीं तक. रीबन 20 कालोनियों के लिए मुसीबत बना कूड़े का पहाड़ फिलहाल हटने वाला नहीं है। क्योंकि निगम के पास अभी इसे हटाने का कोई प्लान ही नहीं है। 6 अक्टूबर को नगर निगम के अधिकारी यहां पहुंचे जरूर लेकिन दुर्गंध कम करने का ही उपाय ढूंढते रहे। तय हुआ कि रोजाना सुबह शाम कीटनाशकों का छिड़काव किया जाएगा। दुर्गंध कम करने के लिए भी कुछ दवाएं का घोल

बनाकर यहां डाला जाएगा। कुल मिलाकर पचास हजार लोग अभी सिस्टम की नाकामी को सहेंगे |6 अक्टूबर को अमर उजाला के अंक में 50 हजार लोगों की पीड़ा... कूड़े का पहाड़, सांसद, विधायक, महापौर नहीं ले रहे हाल शीर्षक से खबर प्रकाशित हुई थी। इस खबर का प्रकाशन होने के बाद नगर निगम का अमला एटुजेड के प्लांट पर पहुंच गया। स्थिति यह थी कि खुद अधिकारी भी यहां ज्यादा देर तक ठहर नहीं पाए। अब जरा सोचिए कि इस कूड़े के पहाड़ के आसपास बसीं कृष्णा धाम, पुष्प विहार, ब्रजधाम, गंगाधाम, लोधी विहार, लक्ष्मीनगर, शिव विहार, तुर्कमान गेट, एडीए कालोनी, सासनी गेट, भुजपुरा, कमेला रोड, बाबरी मंडी, जयगंज और पीपल वाली गली समेत करीब बीस इलाकों के लोग कैसे रहते होंगे। 6 अक्टूबर को निगम के अफसरों ने प्लांट प्रोसेसिंग यूनिट और कूड़े का पहाड़ देखा और यहां से उठने वाली दुर्गंध को लेकर कर्मचारियों से हर आठ घंटे में रिपोर्ट देने को कहा है। प्लांट हेड समय सिंह को सुबह और शाम कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कूड़े के पहाड़ पर कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि दुर्गंध की तीव्रता कम की जा सके। अफसरों की टीम के साथ प्लांट प्रोसे. सिंग यूनिट और कूड़े का पहाड़ देखने पहुंचे अपर नगर आयुक्त ने सुबह शाम कीटनाशकों के छिड़काव के निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं सुबह से लेकर शाम तक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है जो यह देखेंगे कि दुर्गंध कितनी कम हुई है |अब कितनी भी जल्दी कर लें..निस्. तारण में लगेंगे तीन साल हालांकि इस कूड़े के पहाड़ को हटाने के लिए नगर निगम स्तर से प्रयास हो रहे हैं। टेंडर की प्रक्रिया की जा रही है। मगर अब कितनी भी जल्दी कर लें तीन साल से पहले इस कूड़े का निस्तारण संभव नहीं है। यहां साढ़े 5 लाख टन कूड़ा पड़ा है। हर रोज मात्रा बढ़ती ही जा रही है। मेयर प्रशांत सिंघल ने बताया कि सप्ताह भर में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। लेकिन फिर भी तीन साल तो लग ही जाएंगे |ढेर लगता रहा, निस्तारण नहीं कर पाए कूड़े का ढेर लगता रहा लेकिन निगम प्रशासन निस्तारण की व्यवस्था नहीं कर पाया। यहां 525 टन कूड़ा रोज पहुंच रहा है जबकि प्लांट की क्षमता 220 टन कूड़ा निस्तारण की। लेकिन प्लांट की क्षमता बढ़ाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। इतना ही नहीं कहीं दूसरी जगह भी तलाशी जानी चाहिए थी लेकिन उसके लिए भी कोई प्रयास नहीं हुआ। हालांकि अब ग्रामीण क्षेत्र में शहर से बाहर जहां कोई आबादी न हो वहां जमीन तलाशी जा रही है। वहां भी कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित किया जाएगा।

अलीगढ़ की हरदुआगंज पुलिस ने गांव छिड़ावली में छापा मारकर पांच क्विंटल आतिशबाजी बरामद की

हरदुआगंज थाना पुलिस ने गांव छिड़ावली में छापे मारकर तीन घरों से आतिशबाजी पकड़ी है। यहां पुलिस ने सबसे पहले सचिन के मकान पर छापा मारा। उसने पुलिस को देख दरवाजा नहीं खोला और पड़ोसियों की छतों पर आ. तिशबाजी फेंक दी। पुलिस ने छतों और मकान से मिली सामग्री को जब्त कर लिया है। इसके अलावा दो अन्य मकानों से आतिशबाजी जब्त की गई है।

मुख्य सेविका सेवा सबंधी अभिलेख प्रस्तुत करें

अलीगढ़ जिला कार्यक्रम अधिकारी के. के. रॉय ने विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार के अन्तर्गत मुख्य सेविकाओं की अन्तिम ज्येष्ठता सूची में कुल 189 का. र्मिकों की नियुक्ति एवं योगदान तिथि निद. ेशालय स्तर से व्यापक प्रचार–प्रसार कराने के पश्चात भी मुख्यालय एवं जिला स्तर पर किसी प्रकार की आपत्ति सबंधी विवरण उपलब्ध नहीं हो सका है। सभी 189 मुख्य सेविकाओं का नाम, ज्येष्ठता क्रमांक, जन्म. तिथि, भर्ती का प्रकार संबंधी विवरण विभागीय सूचनापट एवं आईसीडीएस ग्रुप में प्रेषित करने के उपरान्त भी उक्त मुख्य सेविकाओं का कोई विवरण प्राप्त नहीं हो सका है। डीपीओ के.के. रॉय ने बताया है कि सभी प्रकार के कार्मिकों का डेटा मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। प्रदेश में 189 मुख्य सेविकाओं द्वारा सेवा सबंधी अभिलेख उपलब्ध नही कराए जाने से डेटा पोर्टल पर अपलोड नही हो पा रहा है। उन्होंने सभी 189 मुख्य सेविक. ाओं से कहा है कि वह अपनी प्रथम नियुक्ति तिथि, योगदान तिथि, जन्मतिथि, गृह जनपद, प्रथम तैनाती जनपद, अंतिम तैनाती जनपद के सबन्ध में प्रमाणित साक्ष्य एक सप्ताह के भीतर जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय विकास भवन को उपलब्ध करा दें। उन्होंने कहा है कि अन्यथा की दशा में यह माना जाएगा की वह मुख्य सेविका कभी भी विभाग में नहीं रही है। इसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी और भविष्य में उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा।

भारतीय हलधर किसान यूनियन के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष अमित भारद्वाज के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता धनीपुर मंडी स्थित सहकारी उर्वरक बिक्री केंद्र पर लगातार मिल रही शिकायतों पर किसानों के बीच पहुँचे। किसानों ने अपना दुःख व्यक्त करते हुए बताया कि सुबह 4 बजे से लाइन में लगे है लेकिन सुबह 10 बजने पर भी केन्द्र नही खुला न ही कोई सूचना उपरोक्त के बारे में दी गई। जिला उपाध्यक्ष कौशल संेगर ने बताया कि 1650 रुपये में निजी दुकानों पर खुलेआम खाद बिक रहा है और प्रशासन अपनी नींद सो रहा है। समस्याओं की सुनवाई न होने पर कार्यकर्ता भड़क गए व धरने पर बैठ गए । उच्चधिकारियों के आश्वासन पर धरना स्थगित किया। इस मौके पर प्रदेश महासचिव राकेश सिंह , महासचिव पुनीत शर्मा, जिलाध्यक्ष व्यापार मोर्चा गौरव दुबे, सोनू सविता सहित मान सिंह तोमर, दीपक अग्रवाल जी, सूरज सिंह, डी पी सिंह , निर्मल यादव जी, बबलू जी,लाला राम लोधी आदि उपस्थित रहे

अखिल भारतीय मिथिला पार्टी से जुड़कर खुश हुए ग्रामीण मिली सदस्यता

अखिल भारतीय मिथिला पार्टी की बैठक मथुरा रोड पर ग्राम नूरपुर में संपन्न हुई अखिल भारतीय मिथिला पार्टी की बैठक में सभी ग्रामीणों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और सदस्यता भी ली और अखिल भारतीय मिथिला पार्टी को और ऊंचाई पर ले जाने के लिए बाद भी किया सभी ग्रामीण भाई अखिल भारतीय मिथिला पार्टी से जुड़कर बहुत खुश हुए ग्रामीणों ने अखिल भारतीय मिथिला पार्टी में आगामी विधानसभा चुनाव में अपना विधायक देखने की इच्छा प्रकट की सभी ग्रामीणों ने अखिल भारतीय मिथिला पार्टी को एक नारा भी दिया हम सब का यही है नारा अखिल भारतीय मिथिला पार्टी का विधायक हो हमारा अखिल भारतीय मिथिला पार्टी की दूसरी बैठक 6 10 24 को ही शाम 6:00 बजे से मिथिलेश्वर धर्मशाला में संपन्न हुई अखिल भारतीय मिथिला पार्टी के सभी पदाधिकारी ने जन समस्याओं को लेकर गहन विचार विमर्श किया और हमारे भारतवर्ष के भविष्य यानी नवयुग पीढ़ी को शिक्षा के महत्व को समझने का प्रयास किया और शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देने पर भी विचार विमर्श किया अखिल भारतीय मि. थला पार्टी की बैठक में उपस्थित रहे सुनील शर्मा पंडित मोहित पाठक गोपाल मिश्रा डॉक्टर वीके शर्मा बंटी जी प्रदीप शर्मा अर्पित शर्मा रोहित शर्मा रजनीश शर्मा गोपाल शर्मा प्रदीप शर्मा गोपाल मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे

खबरों एंव राष्ट्रीय पर्व प्रचार प्रसार एंव शुभकामनायें संदेश हेतू संम्पर्क करे।
मो :9870916612
8218049162